हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

नए पाठ्यक्रम की बारीकियां बताईं

- दिल्ली पब्लिक स्कूल में सीबीएसई के नवीन पाठ्यक्रम की कार्यशाला
- नई शिक्षा नीति के लाभों से भी अवगत कराया, तमाम लोग मौजूद रहे

इटावा, संवाददाता। दिल्ली पब्लिक स्कूल में सीबीएसई के नवीन पाठ्यक्रम के अंतर्गत कम्प्यूटेशनल थिंकिंग वं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर एक दिवसीय व्यापक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं सीबीएसई डीटीसी डॉ. कैलाश यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि भविष्य की शिक्षा में कम्प्यूटेशनल थिंकिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, समस्या समाधान क्षमता तथा नवाचार की भावना विकसित करने का आह्वान किया। संसाधन विशेषज्ञ डॉ. एन.के. शर्मा व रणदीप कौर ने गतिविधि-आधारित शिक्षण, पाठ्यक्रम एकीकरण, मूल्यांकन पद्धतियों तथा एआई के नैतिक एवं जिम्मेदार उपयोग पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला में प्रतिभागी शिक्षकों ने इसे अत्यंत उपयोगी बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इससे कक्षाओं में नवीन शिक्षण विधियों का प्रभावी क्रियान्वयन होगा तथा विद्यार्थियों में 21वीं सदी के आवश्यक कौशल विकसित करने में सहायता मिलेगी। प्रधानाचार्य भावना सिंह ने कहा कि कार्यक्रम का आयोजन सीबीएसई के सहयोग से किया गया, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से परिचित कराना था। उन्होंने सभी अतिथियों का प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

सीबीएसई डीटीसी डॉ. कैलाश यादव को सम्मानित करतीं प्रधानाचार्य व अन्य ।

उन्होंने हलाहल विष का पान कर लिया। यह करुणा समस्त लोक को उनके सम्मुख कृतज्ञ बना देती है। देवता, सिद्ध, गन्धर्व तथा मुनिजन सभी शिव की जय-जयकार करते हैं। इतना ही नहीं असुर भी शिव की उपासना में लगे रहते हैं। वृकासुर ने शिव की आराधना करके उनसे वर पाया कि जिसके सिर पर हाथ रखूं, वह भस्म हो जाय। महादेव

देखकर महादेव तर्क-वितर्क नहीं करते। वे बिना किसी गुणा-गणित के अनुग्रह करते हैं, इसीलिए वे भोले हैं। अमृत खोजते हुए देवता और असुर शंकर जी को विष पिला देते हैं। बाणासुर अपनी रक्षा के लिए शिव का द्वारकाधीश भगवान श्रीकृष्ण से युद्ध करा देता है। महादेव सब पर कृपा करते हैं। वे आशंका में नहीं पड़ते। जिसको अपनी ही हित-हानि की शंका हो वह ईश्वर कैसा।

कम्प्यूटेशनल थिंकिंग और एआइ की महत्वपूर्ण भूमिका

प्रशिक्षक डा.कैलाश यादव को सम्मानित करतीं भावना सिंह व रणदीप कौर •स्वयं

इटावा : दिल्ली पब्लिक स्कूल में सीबीएसई के नवीन पाठ्यक्रम के अंतर्गत कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। इसका उद्देश्य शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से परिचित कराना रहा। सीबीएसई डीटीसी डा. कैलाश यादव ने कहा कि भविष्य की शिक्षा में कम्प्यूटेशनल थिंकिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। संसाधन विशेषज्ञ डा. एनके शर्मा एवं रणदीप कौर ने गतिविधि-आधारित शिक्षण, पाठ्यक्रम एकीकरण, मूल्यांकन पद्धतियों तथा एआई के नैतिक एवं जिम्मेदार उपयोग पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला से विद्यार्थियों में 21वीं सदी के आवश्यक कौशल विकसित करने में सहायता मिलेगी। वि.वि.

डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण को प्रभावी बनाएं : डीएम

जागरण संवाददाता, इटावा: डीएम शुभ्रान्त कुमार शुक्ल ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) की समीक्षा करते हुए डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था आनलाइन माध्यम से समय पर करें, जिससे नगर निकायों को बेहतर स्वच्छता सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। डीएम ने कहा कि एमआरएफ (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटरों

अमर उजाला

Etawa

07-08-2026

एआई युग में शिक्षकों को बनना होगा स्मार्ट : डॉ. शर्मा

डीपीएस में कंप्यूटेशनल थिंकिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला आयोजित

कार्यक्रम में शामिल डॉ. एनके शर्मा। स्रोत-स्वयं

इटावा। डीपीएस में गुरुवार को कंप्यूटेशनल थिंकिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला हुई। इसमें चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के पूर्व अधिष्ठाता डॉ. एनके शर्मा मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने शिक्षकों को इन तकनीकों के महत्व से अवगत कराया।

डॉ. शर्मा ने कहा कि कंप्यूटेशनल थिंकिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का ज्ञान शिक्षकों के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कंप्यूटेशनल थिंकिंग और एआई के संबंध को सरल उदाहरणों से समझाया। डॉ. शर्मा ने इसके चार प्रमुख स्तंभों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने शिक्षकों से नई तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। विद्यार्थियों को भी एआई की उपयोगिता से परिचित कराने पर जोर दिया। डॉ. शर्मा ने प्रत्येक शिक्षक को अपने विशेषज्ञता क्षेत्र में एआई उपकरणों का उपयोग करने को कहा। इससे शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावी, रचनात्मक और आधुनिक बनेगी। यह शिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाएगा और शिक्षकों को तकनीक-सक्षम बनाएगा। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शर्मा ने विद्यालय की प्रधानाचार्य भावना सिंह का धन्यवाद किया। (संवाद)

Wednesday Times
National News paper
21:17

traders to register. Traders also termed the ... President Brijesh Kumar Rathore, among others.

Computational Thinking and Artificial Intelligence Mandatory for Teachers: Dr. N.K. Sharma

MASOOD TAIMURI
WednesdayTimes

(Etawah) – Dr. N.K. Sharma, former Dean of the Faculty of Agricultural Engineering at Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology, Kanpur, inaugurated a workshop on 'Computational Thinking and Artificial Intelligence' at Delhi Public School by offering floral tributes to the idol of Goddess Saraswati. During the event, Dr. Sharma elaborated on the interrelationship between computational thinking and artificial intelligence. He urged teachers to familiarize themselves and their students with the utility of these technologies and to contribute towards realizing the vision of a 'Viksit Bharat 2047' (Developed India 2047). Using simple examples to illustrate the four key pillars of computational thinking, he explained its significance within artificial intelligence technology and encouraged teachers to utilize AI tools in their respective fields of expertise to evolve into 'smart teachers.' Finally, Dr. Sharma expressed his gratitude to the school's Principal, Dr. Bhavna Singh, and the CBSE City Training Coordinator, Dr. Kailash Yadav, for organizing the workshop.